Deg-I
भारत (B) P-I

मुहम्मद गोरी के भारतीय आक्रमण

साम्राज्य विस्तार की योजना को सफल बनाने के उद्देश्य से मुहम्मद गोरी ने भारत पर 1175 ई० से 1205 ई० के बीच कई बार आक्रमण किया था। उसके आक्रमणों का विवरण इस प्रकार है।

सिन्ध और मुल्तान की विजय :-

भारत के उत्तर-पश्चिम में मुल्तान का राज्य करमाथी के हाथ में था। करमाथी इस्लामद्रोही थे। अत: मुहम्मद गोरी ने गोमल के दर्रे से आक्रमण का रास्ता अपनाया। उसने मुल्तान विजय कर उसे एक मुसलमान सूबेदारों के हाथ सौंप दिया। मुल्तान विजय के बाद वह उच की ओर चला और सरलता से 1175 ई० में उच पर अधिकार कर लिया। कहा जाता है कि उच में भट्टी राजपूतों का राज्य था और उसकी रानी मुहम्मद के चक्कर में आकर अपने पति की हत्या करवा दी। परन्तु इस घटना की ऐतिहासिकता संदिग्ध है। और सिन्ध पर भट्टी राजपूतों के शासन का कोई प्रमाण नहीं मिलता है।

सम्भवत: छल कपट की नीति अपनाकर मुहम्मद गोरी ने उच पर अधिकार स्थापित किया था। 1182 ई० सुम्र शासकों को पराजित कर मुहम्मद गोरी ने निचले सिन्ध पर भी अधिकार कर लिया।